हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, शुक्रवार 20 मार्च 2026

13 वर्ष परिवर्तन का वास्तविक दिन वर्ष प्रतिपदा ही...

14 घाटासेर के पास सड़क हादसे के बाद ग्रामीणों ने लगाया जाम...

SURAJ SCHOOL NARNAUL
ADMISSION OPEN 2026-27
(Classes : Nursery to 12th)
Tel : 9053539071, 9053539072
Affiliated to CBSE, NEW DELHI vide Affiliation No. 532145
Announces....
Now on Everyday
ADMISSION cum SCHOLARSHIP TEST
FULLY A.C. CAMPUS
with A.C. Transport Facility
• CCTV ENABLED • DIGITALISED SMART CLASSROOMS

MR SCHOOL
Affiliated to CBSE
MITTERPURA | ATELI
A Name of Dedication, Hardwork and Sincerity
|| तमसो मा ज्योतिर्गमय ||
Aakash की FACULTY अब MR SCHOOL के साथ
JEE / NEET COACHING with Aakash Faculty Experts
ADMISSION OPEN
Session 2026-27
स्कूल व कोचिंग साथ-साथ
SAMBHAV CLASSES
VI to X Foundation Classes
XI to XII JEE / NEET
Special Coaching for CLAT / NDA CA-CPT OLYMPIAD
MITTERPURA, NARNAUL (HR.)
9466945658, 9416903367
mrps530543@gmail.com www.mrpublicschool.com
NARNAUL ROAD, ATELI MANDI
8278085868, 9416903367
mrpsateli@gmail.com www.mrpsateli.in

मरीजों को लंबी कतार में लगना नहीं पड़ेगा

मरीज की जांच रिपोर्ट, दवा व अन्य चिकित्सा सेवा अब होगी डिजिटल

प्रथम चरण में 575 सरकारी अस्पतालों में एचएमआईएस होगा लागू

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में एमबीडीएम अनुकुल एचएमआईएस को किया जाएगा लागू

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

स्वास्थ्य से जुड़ी अच्छी खबर है। स्वास्थ्य विभाग के सरकारी अस्पताल में उपचार करवाने के लिए आने वाले मरीजों का डिजिटल चिकित्सा रिकॉर्ड तैयार होगा। इसमें मरीज का पंजीकरण, ओपीडी पर्ची, जांच रिपोर्ट, दवा व अन्य चिकित्सा सेवा शामिल है। ऐसा होने पर मरीजों को लंबी कतार में लगना नहीं पड़ेगा। अस्पताल में आने वाला मरीज स्कैन एंड शेयर सुविधा का उपयोग करके अपने मोबाइल से क्यूआर कोड स्कैन कर आसानी से ओपीडी पंजीकरण करवा सकेगा। प्रथम चरण में हरियाणा के 575 सरकारी स्वास्थ्य संस्थाओं को एमबीडीएम अनुकुल एचएमआईएस से जोड़ा जाएगा।

जानकारी के मुताबिक स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक पारदर्शी, सुलभ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एमबीडीएम) के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य संस्थाओं को जोड़ा जाएगा। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत प्रत्येक नागरिक को आभा आईडी प्रदान की जा रही है, जिसके माध्यम से मरीज अपनी स्वास्थ्य जानकारी को सुरक्षित रूप से डिजिटल रूप में संग्रहित और साझा कर सकते हैं। अस्पताल में आने वाले मरीज स्कैन एंड शेयर सुविधा का उपयोग करके मोबाइल से क्यूआर कोड स्कैन कर आसानी से ओपीडी पंजीकरण करवा सकते हैं। एबीडीएम अनुकूल एचएमआईएस के माध्यम से अस्पतालों में मरीजों की पंजीकरण प्रक्रिया, डॉक्टर परामर्श, जांच रिपोर्ट, दवाइयों का वितरण तथा स्वास्थ्य रिकॉर्ड प्रबंधन अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से किया जा सकेगा।

क्या कहते हैं मिशन निदेशक

इस संबंध में राज्य मिशन निदेशक (आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन) डॉ. वीरेंद्र यादव ने बताया कि एबीडीएम अनुकूल एचएमआईएस अस्पतालों में उपलब्ध स्कैन एवं शेयर सुविधा का लाभ लेने के लिए नागरिक का आभा आईडी बनवाना अति आवश्यक हैं। अभी तक प्रदेश में 61.32 प्रतिशत आभा आईडी जारी की जा चुकी हैं। प्रदेश में अभी तक लगभग 500 से अधिक सरकारी अस्पतालों में एबीडीएम अनुकूल एचएमआईएस शुरू कर दिया गया हैं। उन अस्पतालों में ट्रेनिंग एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। उन्होंने यह भी बताया कि एबीडीएम अनुकूल एचएमआईएस प्रयोग में लाने के लिए निजी स्वास्थ्य संस्थाओं से भी निरंतर समन्वय स्थापित किया जा रहा हैं।

प्रत्येक जिले में एक सरकारी व गैर चिकित्सा संस्थाओं का चयन

हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्री (एचएफआर) और हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्री (एचपीआर) के माध्यम से स्वास्थ्य संस्थानों और स्वास्थ्य पेशेवरों का डिजिटल पंजीकरण भी सुनिश्चित किया जा रहा है। इस प्रणाली को प्रदेश के सभी जिलों प्रभावी ढंग से लागू करवाने के लिए जिलों में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से लगातार ट्रेनिंग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा हैं। प्रत्येक जिले में एक-एक सरकारी एवं गैर चिकित्सा संस्थाओं को चयनित किया गया हैं। इसके अतिरिक्त गैर सरकारी चिकित्सा संस्थाओं के लिए भी एबीडीएम अनुकूल एचएमआईएस उपलब्ध करवाने के लिए कई गैर सरकारी एचएमआईएस सुझाए जा रहे हैं, उनको प्रयोग में लिए जा रहे एचएमआईएस को भी एबीडीएम अनुकूल बनवाने हेतु सुझाव दिए गए हैं। इसी क्रम में पहले चरण में नूंह (मेवात) में 24 मार्च, रेवाड़ी में 25 मार्च एवं महेन्द्रगढ़ को 27 मार्च में आधिकारिक प्रशिक्षण दौरा सभी सरकारी एवं गैर चिकित्सा संस्थाओं, चयनित मॉडल सरकारी एवं गैर चिकित्सा संस्थाओं, आईएमए एवं आयुष चिकित्सा संस्थाओं के लिए प्रस्तावित किया गया हैं।

खबर संक्षेप

हनुमान जन्मोत्सव पर तैयार होगा 71 मण प्रसाद

नारनौल। शहर के बहरोड़ रोड स्थित प्रसिद्ध श्री कड़ियावाले बालाजी धाम में हनुमान जन्मोत्सव दो अप्रैल को मनाया जाएगा। मंदिर के पुजारी आचार्य नरेंद्र शर्मा ने बताया कि बालाजी को 71 मण प्रसाद का भोग अर्पित होगा, जिसके बाद श्रद्धालुओं में दोपहर से लेकर रात्रि 10-11 बजे तक प्रसाद वितरण किया जाएगा। रात्रि में भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा।

'एक शाम शहीदों के नाम' श्रद्धांजलि कार्यक्रम 23 को

नारनौल। नर नारायण सेवा समिति की ओर से 23 मार्च को श्रद्धांजलि कार्यक्रम 'एक शाम शहीदों के नाम' आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में समिति के प्रधान रामसिंह मधुर ने बताया कि यह कार्यक्रम दोपहर तीन बजे टेलीफोन एक्सचेंज के पीछे स्थित शिव मंदिर परिसर में होगा। कार्यक्रम में समाजसेवी राजकुमार यादव एडवोकेट मुख्य अतिथि होंगे, वहीं मुख्य वक्ता के तौर पर पूर्व चेयरमैन गोबिंद भारद्वाज रहेंगे। कार्यक्रम में राष्ट्र के वीर सपूतों को श्रद्धांजलि देते हुए उनके बलिदान को याद किया जाएगा और प्रत्येक व्यक्ति एक एक दिन अपने हाथ से जलाएंगा।

सरकारी अमानत में ख्यानत की और गड़बड़ घोटाला किया

नारनौल के पूर्व सहायक खनन अधिकारी संजय को एसीबी ने किया गिरफ्तार

वर्ष 2020 में नारनौल कार्यकाल के दौरान अवैध खनन में जुटी गाड़ियों पर नियमों से कम जुर्माना वसूल कर सरकार को नुकसान पहुंचाने का है मामला

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जुर्माना लगाने की बजाए मालिकों से मिलीभगत करके कम दर से जुर्माना वसूलने एवं सरकार के राजस्व को हानि पहुंचाने के मामले एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) में दर्ज केस में कार्रवाई करते हुए जांच अधिकारी ने नारनौल के पूर्व सहायक खनन अधिकारी संजय सिंबरवाल को गिरफ्तार किया है। उन्हें पंचकूला से गिरफ्तार किया गया है।

उन पर आरोप है कि जब वे वर्ष 2020 में नारनौल में कार्यरत थे, तब उन्होंने सरकारी अमानत में ख्यानत की और यह गड़बड़ घोटाला किया गया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो नारनौल और रेवाड़ी की संयुक्त टीम इस मामले जांच कर रही हैं। इसी एसीबी की संयुक्त टीम ने गिरफ्तारी उपरांत उन्हें नारनौल कोर्ट में इलाका ड्यूटी मैजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें अदालत ने 14 दिन के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

जानकारी के अनुसार एनजीटी ने खनन से संबंधित कुछ गाइडलाइन निर्धारित की हुई हैं। इन गाइडलाइन के अनुसार यदि कोई इनका उल्लंघन करता है तो उस पर नियमानुसार जुर्माना या अन्य कार्रवाई संभव है। सूत्र बताते हैं कि वर्ष 2020 में जब संजय सिंबरवाल नारनौल माइनिंग विभाग में बतौर सहायक खनन अधिकारी तैनात थे, तब उन्होंने व स्टॉफ कर्मचारियों ने वाहन मालिकों से मिलीभगत कर सरकार को राजस्व के रूप में हानि पहुंचाई।

आरोप है कि उन सभी ने कम जुर्माना वसूलकर व्यक्तिगत लाभ लिया। इसकी भनक जब एंटी करप्शन ब्यूरो को लगी तो मामले की जांच शुरू की गई। जांच में सामने आया कि खनन विभाग के कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों ने वाहन मालिकों के साथ मिलीभगत कर फर्जी दस्तावेज तैयार करवाए और राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) के आदेशों की अनदेखी करते हुए कम जुर्माना वसूल कर वाहनों को छोड़ दिया। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि अवैध खनन में पकड़े गए वाहनों पर तय पर्यावरण क्षतिपूर्ति राशि के बजाय कम जुर्माना लिया गया। इसके लिए वाहन मालिकों द्वारा फर्जी शपथ पत्र और गलत कीमत के दस्तावेज प्रस्तुत किए गए। कमाल की गौर करने वाली बात यह है कि इन दस्तावेजों खासकर शपथपत्रों को विभागीय अधिकारियों ने सत्यापन किए बिना ही स्वीकार कर लिया, जबकि बिना सत्यापन के एफिडेविट की कोई वेल्यू नहीं होती। संलिप्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने इस प्रक्रिया में कई मामलों में 4 लाख रुपये तक के जुर्माने को घटाकर 2 लाख रुपये या उससे भी कम कर दिया गया तथा अवैध खनन में जुटे मालिकों को नाजायज रूप से लाभ पहुंचाया।

सूत्र बताते हैं कि मालिकों से मिलीभगत करके सरकार को लगभग 21 लाख रुपये तक की वित्तीय हानि पहुंचाई गई। इस पूरे प्रकरण में तत्कालीन खनन अधिकारी, सहायक खनन अभियंता, लिपिक व अन्य कुल 17 कर्मचारियों की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है। जांच एजेंसी ने संबंधित के खिलाफ एंटी करप्शन की धाराओं के तहत धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक षड्यंत्र तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू की हुई है।

शेष दो पर भी लटकी है गिरफ्तारी की तलवार

इस मामले में अब तक कुल 17 में से करीब 14 लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है, अब 15वीं गिरफ्तारी संजय सिंबरवाल के रूप में की गई है, जबकि दो आरोपितों एमओ राजेंद्र व क्लर्क चंद्रशेखर की गिरफ्तारी होना बाकी है, जिनको भी एसीबी द्वारा जल्द ही गिरफ्तार करने की संभावना है।

यह कहते हैं जांच अधिकारी

गिरफ्तार आरोपित संजय सिम्बरवाल से पूछताछ करने उपरांत कोर्ट में पेश किया गया था। जहां से उन्हें 14 दिन के लिए ज्यूडीशरी में भेज दिया गया है। जांच के दौरान उजागर होने वाले सभी आरोपितों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। एसीबी की टीम में इंस्पेक्टर राजेश व एएसआई बीर सिंह भी शामिल थे।

-इंस्पेक्टर अशोक कुमार, जांच अधिकारी, एसीबी, नारनौल

सड़क निर्माण पर एक्शन दोबारा होगा निर्माण

नपा प्रधान ने किया सड़क निर्माण का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। उखाड़कर दोबारा से बनाई जा रही सड़क। फोटो : हरिभूमि

नगर पालिका प्रधान रमेश सैनी ने नगर में चल रहे विकास कार्यों में मिल रही लगातार शिकायतों पर कड़ा संज्ञान लिया है। इसी क्रम में भाई राम सिंह की कोठी से मोहल्ला सराय होते हुए नारनौल रोड तक बनाए जा रहे सड़क मार्ग का निरीक्षण करने के लिए वे स्वयं संबंधित नगर पालिका अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। निरीक्षण के दौरान प्रधान ने आमजन की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

वार्ड नंबर 10 में सड़क को निर्धारित स्तर से ऊपर बनाए जाने की शिकायत सही पाए जाने पर उन्होंने तुरंत प्रभाव से उक्त सड़क को उखाड़कर दोबारा से बनाने के कड़े आदेश दिए।

प्रधान के निर्देशों के बाद संबंधित विभाग द्वारा तुरंत कार्रवाई करते हुए सड़क को उखाड़ने का कार्य शुरू कर दिया गया है तथा इसे निर्धारित मानकों के अनुसार पुनः निर्मित किया जाएगा। प्रधान रमेश सैनी ने स्पष्ट किया कि नगर में चल रहे सभी विकास कार्यों की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जहां भी अनियमितता पाई जाएगी, वहां सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने नगर में चल रहे विकास कार्यों से संबंधित ठेकेदारों की सभी लंबित व आगामी भुगतान पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने के आदेश भी जारी किए हैं, जब तक कि कार्यों की गुणवत्ता की पूर्ण जांच नहीं हो जाती। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित मानकों एवं गुणवत्ता के अनुसार ही पूरे किए जाएं, अन्यथा संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

तेज हवा के साथ हुई बारिश से फसलों में नुकसान की संभावना

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

क्षेत्र में बीती रात्रि तेज हवा के बीच हुई छह एमएम बारिश से सरसों की खड़ी फसल में झड़त होने व गेहूं की अधिकांश फसल बिछने से नुकसान की संभावना बन गई है। खंड में इस बार गेहूं की बजाय सरसों की बुआई अधिक रकबे में की गई है। कृषि विभाग के उपमंडल अधिकारी डॉ. अजय यादव ने बताया कि खंड में करीब 33 हजार हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि में से करीब 18 हजार हेक्टेयर भूमि पर सरसों, करीब नौ हजार हेक्टेयर भूमि पर गेहूं की बिजाई मानी जा रही है। बाकी रक्बे में आलू, मटर, गाजर, मूली, हरी मिर्च, चना, जौ व हरा चारा की पैदावार की गई है। मौसम विभाग की ओर से आगामी 21 मार्च तक तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश व कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है।

- पश्चिमी विक्षोभ के चलते 21 मार्च तक मौसम रहेगा परिवर्तनशील

कनीना। तेज हवा के साथ हुई बारिश के बाद सरसों की फसल।

पश्चिमी विक्षोभ के चलते उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर प्रभाव देखने को मिलेगा। पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा एनसीआर सहित दिल्ली के मैदानी इलाकों में हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। इसके साथ ही 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी व कुछ स्थानों पर गरज चमक के साथ बिजली गिरने और ओलावृष्टि की संभावना बन रही है।

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की टीम ने छापेमारी कर 16 सिलेंडर किए जब्त

लड़की की शादी में सिलेंडर लेने के लिए करें आवेदन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जिला में कॉमर्शियल सिलेंडर की कमी है। इस बीच राहत की खबर यह है कि लड़की की शादी है तो परिजन खाद्य एवं आपूर्ति विभाग या डीसी कार्यालय में आवेदन कर सकता है। इस आवेदन पर उपायुक्त की अध्यक्षता में गठित कमेटी काम करेगी और आवेदक को कॉमर्शियल सिलेंडर तय रेट पर ही मुहैया करवाएंगी। वहीं दूसरी तरफ वीरवार को शहर में की गई छापेमारी में 16 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए। इस कार्रवाई टीम में इंस्पेक्टर रवि कुमार, सब इंस्पेक्टर कानाराम व सब इंस्पेक्टर केशव शामिल रहे। विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि घरेलू गैस सिलेंडरों का दुरुपयोग किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस तरह की छापेमारी भविष्य में भी जारी रहेगी, ताकि कालाबाजारी पर रोक लगाई जा सकें।

नारनौल। टीम द्वारा जब्त किए गए अवैध सिलेंडर। फोटो : हरिभूमि

जिले में 4614 का सुरक्षित क्लोजिंग बैलेंस

जिला महेंद्रगढ़ में एलपीजी की सप्लाई को लेकर जिला प्रशासन सतर्क है। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार के दिशानिर्देशों पर खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की टीम ने वीरवार को कनीना क्षेत्र में छापेमारी की। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई के दौरान टीम ने मौके से आठ अवैध सिलेंडर जब्त किए हैं। इस सफल रेड का नेतृत्व निरीक्षक ध्यान सिंह, निरीक्षक रमेश व उप निरीक्षक संदीप की संयुक्त टीम ने किया।

घरेलू गैस के दुरुपयोग को जड़ से खत्म करना मुख्य उद्देश्य

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की इस सक्रियता का मुख्य उद्देश्य घरेलू गैस के दुरुपयोग को जड़ से खत्म करना और आम उपभोक्ताओं के अधिकारों को सुरक्षित करना है। सहायक खाद्य आपूर्ति अधिकारी अरुण सैनी ने बताया कि जिले में गैस की निर्बाध आपूर्ति व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 18 मार्च की शाम तक जिले की विभिन्न गैस एजेंसियों के पास कुल 10513 सिलेंडरों का स्टॉक उपलब्ध रहा। उपभोक्ताओं की मांग को देखते हुए वितरण प्रक्रिया में भी तेजी लाई गई है। जिसके तहत आज 5338 नई ऑनलाइन बुकिंग के मुकाबले कुल 5899 सिलेंडरों की सफल डिलीवरी की गई। दिन भर के सुचारू वितरण के बाद जिले में 4614 सिलेंडरों का मजबूत क्लोजिंग बैलेंस बचा है। उन्होंने बताया कि आपूर्ति व मांग के बीच इस बेहतर तालमेल को बनाए रखने के लिए प्रशासन लगातार मॉनिटरिंग कर रहा है, ताकि जिले के किसी भी कोने में गैस की किल्लत न हो।

विशेष: विश्व गौरैया दिवस, 20 मार्च

आओ बनें गौरैया के दोस्त

बच्चो, गौरैया एक छोटी-सी प्यारी चिड़िया है, जो कभी हर घर-आंगन में फुदकती देखी जाती थी। इसकी 'चीं-चीं' की आवाज बहुत भाती है। लेकिन कई कारणों से अब यह चिड़िया कम ही दिखती है। हम अपने छोटे-छोटे प्रयासों से नन्ही गौरैया को फिर से घर-आंगन की रौनक बना सकते हैं।

पक्षी जगत
शिखर चंद जैन

एक समय था, गौरैया 'चीं-चीं' करते हुए हर जगह दिखाई देती थी, लेकिन अब यह लुप्त सी हो गई है। आजकल बहुत कम नजर आती है। गौरैया बनी रहे, इनकी चहचहाट सुनाई देती रहे, इसके लिए लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए हर साल 20 मार्च को 'विश्व गौरैया दिवस' मनाया जाता है।

ऐसे हुई विश्व गौरैया दिवस की शुरुआत: वन्यजीवों के संरक्षण के लिए कार्य करने वाली भारतीय संस्था नेचर फॉरएवर सोसायटी के फाउंडर मोहम्मद दिलावर, गौरैया की घटती हुई संख्या से चिंतित हुए। वर्ष 2010 में उन्होंने फ्रांस की ईको-सिस एक्शन फाउंडेशन के साथ मिलकर 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस मनाने की शुरुआत की। शहरीकरण, मोबाइल रेडिएशन और कीटनाशकों के अधिक इस्तेमाल के कारण घटती गौरैया की आबादी के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना और गौरैया के संरक्षण को बढ़ावा देना ही इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य है।

हमारी फ्रेंड जैसी गौरैया: पुराने समय में गौरैया घर के सदस्य जैसी हुआ करती थी। वह दादी की रसोई से दाना चुगती थी, आंगन में दादाजी के पास आकर बैठ जाती थी, छत पर अनाज सूखते तो गौरैया झुंड बनाकर आतीं, इधर-उधर फुदक-फुदक कर दाने चुगती रहतीं! बच्चो, सोचो जरा, गौरैया की ये हरकतें कितनी मनभावन होती होंगी! लेकिन आज हमारे घरों में पहले की तरह गौरैया नहीं आतीं, लुभावने दृश्य देखने को नहीं मिलते हैं।

क्यों दूर हो गई गौरैया: बच्चो, हमारी प्यारी नन्ही दोस्त गौरैया की घटती संख्या और हमसे दूर होने के कई कारण हैं- जैसे-जैसे पेड़-पौधे कटने लगे, शहरीकरण होता गया, लोगों के रहन-सहन बदलने लगे, वैसे-वैसे हमारी ये नन्ही फ्रेंड हमसे दूर होती चली गई। अब घरों में झरोखे और रोशनदान नहीं होते, जहां गौरैया अपना घोंसला बना सके। अब ये बेचारी घरों में घुस तक नहीं सकती। एसी मशीनों की गर्म हवा और प्रदूषण ने इस नन्ही-सी जान का जीना मुश्किल कर दिया है।

हम अपने गार्डन, बालकनी में विदेशी शो पीस जैसे प्लांट लगाते हैं, जिनमें छोटे कीड़े नहीं होते। जबकि गौरैया के बच्चे हमारे देसी पेड़-पौधों पर पाए जाने वाले नन्हे कीड़ों को खाते हैं, जिससे उसे पोषण मिलता है। अब घरों में खेत से आने वाले गेहूं, चावल या अन्य अनाजों की जगह बंद पैकेट्स में रेडिमेड अनाज आते हैं, जिससे गौरैया को दाना मिलना बंद हो गया। इन सबके अलावा मोबाइल टावर्स से निकलने वाले रेडिएशन से भी गौरैया के जीवन को खतरा होता है।

कैसे हो गौरैया की घर वापसी: बच्चो, हम कुछ छोटे-छोटे प्रयासों से गौरैया को फिर से अपने घरों में बुला सकते हैं। आओ बच्चो, हम आज विश्व गौरैया दिवस के अवसर पर गौरैया के सच्चे दोस्त बनें और उसे वापस बुलाने के लिए कुछ छोटे-छोटे मगर प्रभावी कदम उठाएं।

खोलो देसी चिड़िया ढाबा: अपनी बालकनी या छत पर मिट्टी के एक बर्तन में साफ पानी और दूसरे बर्तन में बाजरा, कंगनी या टूटे हुए चावल रखो।

बनाओ उसका अपार्टमेंट: चिड़िया को छांव और आश्रय देना भी जरूरी है। आजकल बाजार में तरह-तरह के बर्ड हाउस, नेस्ट, बर्ड फीडर आदि मिलते हैं। तुम चाहो तो जूते के पुराने डिब्बे में एक छोटा छेद करके उसे किसी सुरक्षित और ऊंची जगह पर लटका सकते हो, गौरैया इसमें रह सकेगी। इस डिब्बे को तुम कलर पेपर से सजाकर और भी अट्रैक्टिव बना सकते हो।

गौरैया के लिए हरियाली: घर की खिड़की, बालकनी या छत पर गेंदा, चमेली या नीबू जैसे देसी पौधे लगाने चाहिए। इन पर आने वाले छोटे कीट गौरैया के बच्चों का पसंदीदा भोजन होते हैं।

कीटनाशकों को 'नो' कहें: अपने पौधों पर जहरीले कीटनाशक का छिड़काव नहीं करना चाहिए। इससे गौरैया बीमार पड़ सकती है।

बच्चो, तुम्हारे इन छोटे-छोटे प्रयासों का बहुत ही सकारात्मक असर होगा। सोचो, कितना अच्छा लगेगा जब सुबह तुम्हारी नींद अलार्म से नहीं, बल्कि गौरैया की 'चीं-चीं' से खुलेगी! गौरैया को बचाने का मतलब सिर्फ एक पक्षी को बचाना नहीं है, बल्कि अपनी प्रकृति और खुशियों को भी बचाना है। *

प्यारी और अनूठी गौरैया

बच्चो, गौरैया से जुड़े कुछ और भी रोचक तथ्य हैं, जो तुम्हें जरूर जानने चाहिए, जैसे-

नहाने की शौकीन: गौरैया को नहाना बहुत पसंद है। यह पानी में भी नहाती है और धूल में भी। यह जब धूल में मस्ती करती है तो इसे धूल-स्नान या डस्ट-बाथ कहते हैं।

ईको-फ्रेंडली: यह छोटे-छोटे कीड़ों को खाकर हमारे पेड़-पौधों को बीमारियों से बचाती है।

कविता / राम नरेश 'उज्ज्वल'

मेरे घर आती गौरैया

मेरे घर आती गौरैया
घर भर को भाती गौरैया।
तिनका-तिनका जोड़-जोड़ कर,
कागज-पत्तर तोड़-मोड़ कर,
बना लिया उसने अपना घर,
कितना प्यारा, कितना सुंदर,
आंगन में मां दाने रखती,
बीन-बीन खाती गौरैया।
मेरे घर आती गौरैया।।
जंगल झाड़ी में भी जाती,
ढूंढ-ढूंढ कर दाने लाती,
भूखे बच्चे मुंह फैलाते,
अपनी मां से भोजन पाते,
अपने नन्हे बच्चे को भी,
कभी-कभी लाती गौरैया।
मेरे घर आती गौरैया।।
झुंड बनाकर उड़ती ऊंचे,
टहल घूम कर आती नीचे,
पानी पीती घर के नल से,
पता नहीं क्या कहती जल से,
चीं-चीं चूं-चूं दिन भर करती,
सबको बहलाती गौरैया।
मेरे घर आती गौरैया।।

विशेष: विश्व जल दिवस (22 मार्च)

बच्चो, तुम्हें जानकर अचरज होगा कि पृथ्वी पर उपलब्ध कुल जल का 2.5-3% हिस्सा ही ताजा जल है। विश्व में एक देश ऐसा है, जहां ताजे पानी की सर्वाधिक उपलब्धता है। कौन-सा है वह देश और किन कारणों से वहां उपलब्ध है सर्वाधिक ताजा जल, जानो।

इस देश में उपलब्ध है सर्वाधिक साफ-ताजा जल

यह भी जानो
नयनतारा

ताजे पानी की सबसे बड़ी झील- सुपीरियर लेक

बच्चो, जल के बिना किसी का भी जीवन संभव नहीं है। लेकिन हमारे लिए उपयोगी ताजा जल पृथ्वी पर बहुत सीमित मात्रा में ही उपलब्ध है। हमारी पृथ्वी पर उपलब्ध कुल जल राशि का बहुत थोड़ा सा हिस्सा ही ताजा जल है। यह ताजा जल नदियों, झीलों, ग्लेशियरों और जमीन के अंदर से मिलता है। सभी देशों के पास ताजे जल के सीमित स्रोत हैं। इसीलिए ताजे जल को बर्बाद करने से हम सभी को बचना चाहिए।

ह्यूरॉन लेक भी है कनाडा में ताजा पानी का स्रोत

कम हो रहा ताजा पानी: हालांकि पृथ्वी का तीन-चौथाई हिस्सा जल है, लेकिन इसका बहुत कम हिस्सा ही इस्तेमाल करने योग्य यानी ताजा पानी है। चिंताजनक बात यह है कि ताजे पानी की उपलब्धता दिनों-दिन कम होती जा रही है। इसकी कई वजहें हैं, जैसे- झीलों, नदियों से लेकर समुद्रों तक को प्रदूषित किया जा रहा है। लोग पानी को बहुत बर्बाद भी करते हैं।

यहां है सर्वाधिक ताजा जल: संयुक्त राष्ट्र एवं वर्ल्ड बैंक के डाटा के अनुसार संसार में जो कुल ताजा पानी है, उसका पांचवां हिस्सा यानी 20 प्रतिशत अकेले कनाडा देश में उपलब्ध है। अब तुम सोच रहे होगे कि अकेले कनाडा में इतना अधिक स्वच्छ जल कैसे उपलब्ध है? इसकी प्रमुख वजह है वहां बड़ी संख्या में मौजूद झीलें।

मौजूद हैं कई बड़ी झीलें: कनाडा ताजा जल की दृष्टि से बहुत ही समृद्ध देश है। यहां 2 मिलियन से भी अधिक झीलें मौजूद हैं, जिनमें से अधिकतर हजारों साल पहले ग्लेशियरों के सिकुड़ने की वजह से बनी हैं। दुनिया की सबसे बड़ी ताजे पानी की झील सुपीरियर झील, कनाडा में ही स्थित है। विनिपेग झील भी कनाडा में स्वच्छ, ताजे पानी का एक बड़ा स्रोत है। इनके अलावा यहां ग्रेट बीयर लेक, ग्रेट स्लेव लेक, अथाबास्का लेक, ह्यूरॉन लेक जैसी कई लेक्स हैं, जो कनाडा को साफ-स्वच्छ ताजा जल की उपलब्धता की दृष्टि से समृद्ध बनाती हैं।

भारत का स्थान: दुनिया के अन्य देशों में ताजे पानी की उपलब्धता तो है, लेकिन यह कनाडा की तुलना में बहुत ही कम है। ताजे पानी की उपलब्धता के मामले में कनाडा के बाद ब्राजील, रूस, अमेरिका और चीन के बाद भारत का स्थान आता है। यानी अपने देश में भी ताजे जल के सीमित स्रोत हैं। इसलिए बच्चो, तुम स्वयं पानी की बर्बादी कभी मत करना और दूसरों को भी पानी बर्बाद न करने के लिए प्रेरित करो। *

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

अच्छी-प्यारी कहानियां

बच्चो, अभी कुछ ही समय पहले डॉ. नागेश पांडेय 'संजय' की बाल कहानियों की किताब 'चंद्रलोक की थुलथुल परी' छपकर आई है। इसमें कुल बारह कहानियां संकलित हैं। इन कहानियों में तुमको कहीं जानकारी मिलेगी तो कहीं सीख मिलेगी। लेकिन इनको ऐसे रोचक अंदाज में लिखा गया है कि पढ़ने में तुमको खूब मजा आएगा। पहली कहानी 'चंद्रलोक की थुलथुल परी' में तुमको यह पता चलेगा कि विभिन्न ग्रहों पर अलग-अलग गुरुत्वाकर्षण के कारण कैसे भार में अंतर महसूस होता है? जलवायु परिवर्तन कैसे मौसम के चक्र को बिगाड़ रहा है, इस विषय पर 'बिन मौसम' कहानी सचेत करती है। 'दाने दाने पर लिखा होता है खाने वाले का नाम' इस मुहावरे पर आधारित मजेदार कहानी है 'नाम नहीं'। इनके अलावा किताब में स्वतंत्रता दिवस, होली, दीपावली, नए साल और ईद जैसे त्योहारों पर केंद्रित कहानियां भी प्रेरित करने वाली हैं। अन्य कहानियां 'एकता में बल है', 'गर्मी की छुट्टियां', 'सारे जग से न्यारी मम्मी' भी बहुत अच्छी-प्यारी हैं। *

किताब: चंद्रलोक की थुलथुल परी, **लेखक:** डॉ. नागेश पांडेय 'संजय', **मूल्य:** 225 रुपए, **प्रकाशक:** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

हंसगुल्ले

चिंटू-मिंटू फुटबॉल मैच देख रहे थे।
चिंटू: अरे, इतने सारे लोग फुटबॉल को लात क्यों मार रहे हैं?
मिंटू: गोल करने के लिए।
चिंटू: लेकिन फुटबॉल तो पहले से ही गोल है। इसे और कितना गोल करेंगे?
-आशीष, रायपुर

हिंदी टीचर: 'मुंह में पानी आना' इस मुहावरे का वाक्य में प्रयोग करो।
रोहन: जैसे ही मैंने नल की टोंटी में मुंह लगाकर नल चालू किया, मेरे मुंह में पानी आ गया।
-करण, बिलासपुर

एक यात्री रेलगाड़ी से उतरा। उसने स्टेशन पर खड़े भोलू से पूछा, 'बेटा ये कौन-सा स्टेशन है?'
भोलू: अंकल, ये रेलवे स्टेशन है।
-कुसुम, भोपाल

जीके क्विज-197

1. भारत का दूसरा पूर्ण साक्षर केंद्र शासित प्रदेश कौन बना है?
2. फीफा वर्ल्ड कप 2026 का आयोजन किन देशों में किया जाएगा?
3. अगले महीने किन पूर्वोत्तर राज्य में विधानसभा चुनाव होंगे?
4. हाल में 16 साल की उम्र में भारत के 94वें शतरंज ग्रैंड मास्टर कौन बने हैं?
5. सविनय अवज्ञा आंदोलन का नेतृत्व किसने किया था?
6. भारत में हरित क्रांति का जनक किसे माना जाता है?
7. विश्व रंगमंच दिवस कब मनाया जाता है?
8. पानी में हाइड्रोजन के अलावा कौन सा तत्व मौजूद होता है?
9. पेनिसिलिन की खोज किसने की थी?
10. लावणी किस राज्य का पारंपरिक लोकनृत्य है?

बच्चो, जीके क्विज-197 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-196 का उत्तर : 1.तरनजीत सिंह संधू, 2.न्यूजीलैंड, 3.आरव डेंगला, 4. 22 मार्च, 5.सारनाथ, 6.थिंपू, 7.राजा राममोहन राय, 8.राज्य सभा, 9.मिल्खा सिंह, 10.शनि

जीके क्विज-196 का सही उत्तर देने वाले : शुभ-बिलासपुर, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, कुलमनी-ईमेल से, कबीर-हिसार, सुनीता-सीतापुर, नीटू-रायगढ़, कुसुम-भोपाल, अंकुश-रायपुर, हर्ष-रोहतक, दिव्या-बलौदा बाजार

कहानी

डॉ. मोहम्मद अरशद खान

नन्हे अरशान ने पहला रोजा रखा तो उसे लोगों ने मुबारकबाद के साथ तोहफे और पैसे भी दिए। अरशान को ईद के दिन ईदी के भी खूब पैसे मिले। लेकिन अभी उसे और पैसे चाहिए थे। पापा ने उसे डांटा, यह लालच सही नहीं है, इतने पैसे क्यों बटोर रहे हो? अरशान ने जब इसकी वजह बताई तो परिवार के लोग सन्न रह गए!

अरशान की ईद

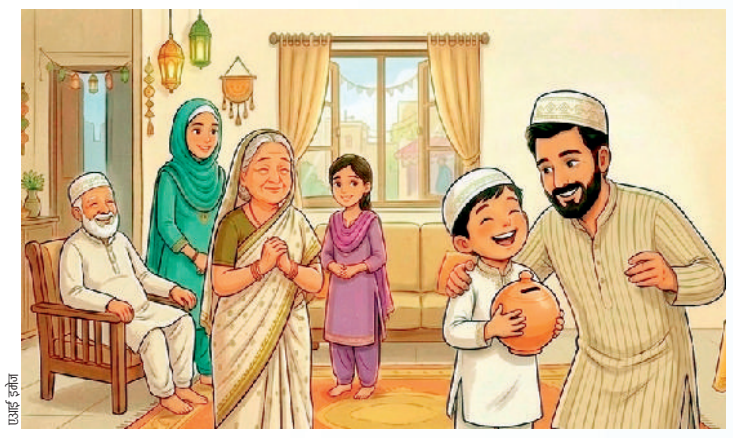

इस बार का रमजान अरशान के लिए खास था। उसने पहली बार रोजा रखा था। वह छोटा था, इसलिए अम्मी डर रही थीं। बारह-तेरह घंटे बिना कुछ खाए-पिए इबादत में लगे रहना बड़ों के लिए भी आसान नहीं था, और वह तो अभी आठ-नौ साल का बच्चा था। पर उसने ऐसी जिद ठानी कि मम्मी ने इजाजत दे दी। शाम को इफ्तार पार्टी हुई। रिश्तेदार, मुहल्ले के लोग और दोस्त-अहबाब आए। सबने अरशान को मुबारकबाद दी और पहला रोजा रखने की खुशी में तोहफे और पैसे दिए। अरशान की गुल्लक भर गई। उसे पहली बार इतने पैसे मिले थे, लेकिन वह खुश नहीं था। वह बार-बार नोटों को गिनता, उन्हें गुल्लक में तरतीब से जमाता और किसी चिंता में डूब जाता।

ईद का दिन आया तो परिवार के सब लोग नमाज पढ़ने गए। नमाज के बाद वे मेले में घूमे। मेले में खाने-पीने और खिलौनों की दुकानें लगी हुई थीं। अरशान को उसमें कोई रुचि नहीं थी। वह जल्दी से जल्दी घर पहुंचना चाहता था, ताकि सबसे अपनी ईदी वसूल सके। रास्ते में भीड़ थी। गाड़ी धीरे-धीरे चल रही थी। अरशान पूरे रास्ते बेचैन रहा। घर पहुंचते ही उसने दादा-दादी और मम्मी-पापा से ईदी वसूल की और फिर अपनी बड़ी बहन आलिया के पास आया। उससे बोला, 'अप्पी, आप भी ईदी दीजिए न।' 'मैं!' आलिया हैरानी से बोली।

'सब बड़े अपने से छोटों को ईदी देते हैं न!' अरशान तुरंत बोला। पास बैठे दादा जी ने सुना तो वह हंसने लगे। आलिया के हाथ पर सौ का नोट रखते हुए बोले, 'बात तो अरशान सही कह रहा है। लो, तुम भी उसे ईदी दे दो।' 'लालची कहीं का।' बड़बड़ाते हुए आलिया ने बेमन से उसके हाथों में ईदी रख दी। थोड़ी देर बाद अस्थाना अंकल घर आए। वह पड़ोस में रहते हैं। उन्होंने दादा जी के पैर छुए और गले मिलकर ईद की बधाइयां दीं। फिर सिवइयां और पकवान खाने लगे।

तभी अरशान आया और बोला, 'अंकल, नमस्ते! आपने मुझे ईदी नहीं दी?' अरशान के इस व्यवहार से मम्मी-पापा असहज हो गए, लेकिन अस्थाना अंकल हंसते हुए बोले, 'नमस्ते बेटा, खुश रहो.. । मैं भी कितना गड़बड़ आदमी हूं। भर-भरकर सिवईं खाए जा रहा हूं और ईदी देना भूल ही गया।' यह कहकर उन्होंने पर्स से पैसे निकाले तो दो नोट बाहर आ गए। उन्होंने दो सौ का नोट पर्स के अंदर रखते हुए सौ का नोट अरशान की ओर बढ़ाया और बोले, 'लो भई, अपनी ईदी।'

'अंकल वो दो सौ वाला नोट दे दीजिए न।' अरशान इठलाता हुआ बोला।

पापा की भौंहें गुस्से से तन गईं। अस्थाना अंकल जोरदार ठहाका लगाते हुए बोले, 'लो भई, वह नोट भी रखो और यह भी। अब जाओ अपनी अप्पी को भी भेजो। वर्ना उसे ईदी देने दोबारा आना पड़ेगा और तुम्हें फिर से सिवईं खिलानी पड़ेगी।' कहकर वह जोरों से हंसे। अस्थाना अंकल के जाते ही पापा गुस्से से फट पड़े, 'यह क्या तरीका है। मेहमान से ऐसे बात की जाती है? अस्थाना जी की जगह कोई होता तो बुरा मान जाता।'

'आपको नहीं पता, पापा। ये जनाब मुहल्ले में घर-घर ईदी मांगकर आए हैं।' आलिया ने बताया। पापा का गुस्सा सातवें आसमान पर जा पहुंचा। दादा-दादी और अम्मी भी नाराजगी भरी निगाहों से उसकी ओर देखने लगे। पापा ने उसे खूब डांट पिलाई और बोले, 'अजब लालची बच्चा है। अभी रोजा कुशाई में ढेर सारे पैसे मिले हैं। अब ईदी समेटने पर जुटा है। पूरे मुहल्ले में हंसी उड़वा दी।'

पापा ने अरशान से गुल्लक मंगाकर पैसे गिने। गिनते-गिनते उनकी त्योरियां चढ़ गईं, 'पूरे अट्ठारह सौ पचास रुपए हैं। ये भी तुम्हें कम लग रहे हैं?' 'हां, अभी चार सौ रुपए कम हैं।' अरशान बुझी-सी आवाज में बोला। इस जवाब पर सब हैरानी से उसकी ओर देखने लगे। 'दरअसल.!' अरशान डरते-डरते बोला, 'मेरा एक क्लासमेट है शलभ। पिछले बरस उसके पापा नहीं रहे। स्कूल के खर्चों की वजह से मम्मी उसका नाम कटाना चाहती हैं। पर हम सब दोस्तों ने उन्हें मना लिया है। हमने तय किया है, कोई दोस्त किताबें खरीद कर देगा तो कोई कॉपियां और कोई स्कूल बैग। कोई ड्रेस लाकर देगा। मैं उसकी फीस जमा करने की सोच रहा हूं, लेकिन अभी इतने पैसे ही नहीं इकट्ठा हो पाए।' अरशान की बात सुनकर सब लोग सन्न रह गए। अचानक पापा को जाने क्या हुआ कि वे कड़क आवाज में बोले, 'लो, इन पैसों को गुल्लक में वापस रखो। इनसे किसी की फीस-वीस नहीं भरी जाएगी।' पापा की बात पर अरशान डर गया। दादा जी, मम्मी और आलिया का दिल भी धक से रह गया। तभी सबने पापा की ओर देखा तो उनके चेहरे पर मुस्कराहट खिली हुई थी। वह बोले, 'अरे भई! अब आगे से तुम्हारे दोस्त की पढ़ाई का सारा खर्चा मैं उठाऊंगा।' अरशान खुशी से चहक उठा। ईद तो हर बार आती थी, पर इस बार की ईद अरशान के लिए बहुत ज्यादा खुशियों भरी थी। *

कविता
सूर्यकुमार पांडेय

ईद मुबारक

यह सुंदर त्योहार ईद का,
सब लोगों को ईद मुबारक!
आसमान में निकला चांद,
ईद मन रही उसके बाद।
हम सब बच्चे ईदी पाते,
मीठी-मीठी सेंवई खाते।
इस प्यारे दिन के क्या कहने?
नए-नए कपड़े सब पहने,
कहते सबसे, ईद मुबारक!
ईद मुबारक, ईद मुबारक!!
मस्जिद में सब पढ़ें नमाज,
हंसी-खुशी का दिन है आज।
जो भी मिलता गले लगाते,
रोजे के किस्से बतियाते।
हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई,
सब मिलकर दे रहे बधाई।
कहते हमसे, ईद मुबारक!
ईद मुबारक, ईद मुबारक!!

अंतर बताओ

बच्चो, यहां ईद सेलिब्रेशन से जुड़े दो चित्र दिए गए हैं। एक जैसे दिखने वाले इन चित्रों में कुछ अंतर भी हैं। तुम तीन मिनट के अंदर इन चित्रों में पांच अंतर ढूंढ़ कर बताओ।

उत्तर: 1.दाईं तरफ सोफे के पीछे से सारे बैलून गायब है। 2.बच्चे के हाथ में जो गिफ्ट पैक है, उसके रिबन का कलर बदला हुआ है। 3.बाईं तरफ विंडो कर्टेन का ज्यादा हिस्सा दिख रहा है। 4.टेबल पर रखे टिश्यू पेपर बॉक्स का कलर बदला हुआ है। 5.पीछे दो हैंगिंग लाइट्स के कलर्स बदले हुए हैं।

सही परछाई पहचानो

बच्चो, यहां नन्ही गौरैया का एक चित्र दिया गया है। साथ ही चार परछाइयां भी दी गई हैं। तुम चित्र और परछाइयों को ध्यान से देखकर बताओ कि गौरैया के चित्र की सही परछाई कौन-सी है?

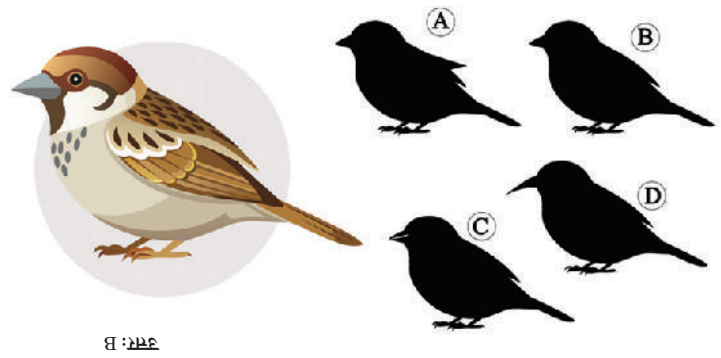

उत्तर: B

सांस्कृतिक अहीरवाल संस्था के स्थापना दिवस पर किया हवन

वर्ष परिवर्तन का वास्तविक दिन वर्ष प्रतिपदा ही है: सत्यव्रत शास्त्री

नारनौल। सांस्कृतिक अहीरवाल संस्था के स्थापना दिवस पर हवन करते हुए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

सांस्कृतिक अहीरवाल संस्था के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में सत्यव्रत शास्त्री ने कहा कि वर्ष परिवर्तन का वास्तविक दिन चैत्र शुक्ल प्रतिपदा ही होता है, क्योंकि आज ही के दिन ईश्वर ने इस सृष्टि की रचना की थी। प्रकृति में इस समय जो परिवर्तन होता है, वही इस बात का संकेत देता है। इस दिन को शुभ दिन मानकर अनेक महापुरुषों ने कुछ व्यवस्थाएं इस दिन के लिए ही रखी। जिसमें नवरात्रों का शुभारंभ होता है, श्रीराम का राज्याभिषेक के लिए भी वर्ष प्रतिपदा के दिन को ही चुना गया था। इसके बाद महाभारत कालीन समय में महाराज युधिष्ठिर का राज्याभिषेक होना था, तो उनके लिए भी इसी दिन के लिए चुनाव किया गया। जब इस देश पर शको और हुणो का आतंक था, तब महाराजा विक्रमादित्य ने उन विदेशी आक्रमणकारियों पर विजय प्राप्त की और विजय दिवस के रूप में इसी वर्ष प्रतिपदा के दिन को ही चुना तथा उन्होंने आज से ही विक्रमी संवत का शुभारंभ किया। सत्यव्रत शास्त्री ने सांस्कृतिक अहीरवाल की स्थापना दिवस पर गोद गांव में आयोजित यज्ञ पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि इसी दिन संत झूलेलाल का जन्मदिन भी वर्तमान पाकिस्तान के सिंध क्षेत्र में मनाया जाता था। गुरु अंगद देवजी का जन्मदिन भी सिख परंपरा में इसी दिन मनाया जाता है। महर्षि दयानंद सरस्वती ने जब इस देश की परतंत्रता, पाखंडवाद व घोर अंधकार के समय में जब कार्य करना शुरू किया, तो उसके लिए आर्य समाज की स्थापना का दिन भी उन्होंने इसी दिन को चुना। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशव राव बलिराम हेडगेवार का जन्मदिन भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इसी दिन मनाता है। इन सब घटनाओं व महापुरुषों के कृत्य कार्यों से हम सबको यह ध्यान में आता है की युग युगांतरकारी परिवर्तन इसी दिन से शुरू होते हैं। इसलिए सांस्कृतिक अहीरवाल ट्रस्ट की स्थापना भी आज से पांच वर्ष पूर्व इसी दिन की थी।

■ आज से ही विक्रमी संवत का किया शुभारंभ

उपस्थित लोगों का किया धन्यवाद

सत्यव्रत शास्त्री ने कहा कि जब तक हम अपने पूर्वजों की ओर से स्थापित मान्यताओं परंपराओं पर निर्विवाद रूप से चलते व मानते रहेंगे, तो हमारे अंदर किसी प्रकार का दोष नहीं आएगा। परिवार में, गांव में, देश में व समाज में जब भी कोई गलत काम करने का साहस करता है, तो उसका नाम दूसरी भाषा में होता है। इससे हमें बचना चाहिए। कार्यक्रम संयोजक केडी यादव ने उपस्थित लोगों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक अहीरवाल के जिला मीडिया प्रभारी शीशपाल बदोपुर, विश्व हिंदू परिषद के जिला संयोजक सांवत सिंह, स्वदेशी जागरण के जिला संयोजक राजेश शास्त्री, काशीराम, अमरसिंह भांखरी, रामौतार, शेरसिंह, राजेंद्र यादव, ओमप्रकाश यादव, बिल्लू, अभय सिंह यादव, नरेश मास्टर, इंद्रजीत मास्टर, सुरेश यादव, कर्णसिंह यादव, राजेंद्र यादव डोहर कलां आदि उपस्थित रहे।

नववर्ष के प्रारंभ पर अधिवक्ता परिषद ने किया हवन

नारनौल। अधिवक्ता परिषद की जिला इकाई ने अधिवक्ता परिषद के जिला अध्यक्ष मनीष वशिष्ठ एडवोकेट के संयोजन में भारतीय नववर्ष के अवसर पर अधिवक्ता चैम्बर परिसर में हवन का अयोजन किया। हवन अधिवक्ता चौम्बर परिसर में स्थित श्री अधिवक्तेश्वर हनुमान मंदिर के समक्ष आयोजित किया गया। जिसमें यजमान के रूप में विकाश शर्मा एडवोकेट व उनकी पत्नी दिव्या शर्मा रहे। अधिवक्ता चैम्बर्स सोसायटी के प्रधान यशवीर सिंह ढिल्लो ने भी हवन में आहुति दी। अधिवक्ता परिषद इकाई के जिला अध्यक्ष एवं जिला बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान मनीष वशिष्ठ एडवोकेट ने सभी अधिवक्ताओं को भारतीय नववर्ष की शुभकामनाएं दी। हवन में हवनाचार्य पंडित महेन्द्र शास्त्री थे। हवन के पश्चात प्रसाद वितरित किया गया। अधिवक्ता परिषद के जिला महासचिव महेश दीक्षित एडवोकेट ने सभी अधिवक्ताओं को भारतीय नववर्ष की शुभकामनाएं दी।

अटेली में हिंदू नव वर्ष हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र में पूर्व सरपंच एवं भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य प्रदीप सराय के कार्यालय पर विक्रम संवत नव संवत्सर 2083 एवं हिंदू नव वर्ष का पर्व हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे तथा सभी ने एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर प्रदीप सराय ने कहा कि हिंदू संस्कृति हमारी पहचान है और हमें अपने धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्वों को पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाना चाहिए। उन्होंने बताया कि इसी दिन से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत होती है जो मां दुर्गा की आराधना का पावन पर्व है। यह दिन बसंत ऋतु के आगमन, प्रकृति में नवजीवन और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। विक्रम संवत की शुरुआत महान सम्राट विक्रमादित्य द्वारा शकों पर विजय प्राप्ति के उपलक्ष्य में हुई थी, जो हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और गौरवशाली इतिहास को दर्शाता है।

वरिष्ठ नागरिकों ने हवन-पूजन कर मनाया नवसंवत

नारनौल। वरिष्ठ नागरिक संगठन की ओर से किला रोड स्थित साध्वी बहन मिश्री देवी में विक्रमी संवत 2083 हिंदू नववर्ष पर हवन का आयोजन करके नवसंवत बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान दुलीचंद शर्मा ने की। हवन के आचार्य हंसराज मुनि रहे और हवन के यजमान संयुक्त रूप से शिवहरि अग्रवाल दंपति, बद्रीप्रसाद गर्ग दंपति और रविन्द्र चौधरी दंपति रहे। हवन के माध्यम से नववर्ष सभी के लिए मंगलमयी कामना की गई। प्रसाद वितरण के बाद सभी उपस्थित सदस्यों को संगठन की तरफ से उपहार के रूप में भगवान रामलला की प्रतिबिंबित मूर्ति भेंट की गई। हवन पूजन कार्यक्रम में अजीत जैन, महेंद्र कुमार वर्मा, सोहनलाल चौहान, विजय सिंह यादव रहीश, रामजीलाल मित्तल, रामबिलास यादव, सुरेश भारद्वाज, सुरेश जांगिड़, सुरेश भारद्वाज, ओपी बत्रा, मुखराम सैनी, बीएल सैनी, जसवंत सिंह यादव, हरिसिंह यादव, सुभाषचंद यादव, जयप्रकाश आदि मौजूद थे।

हिंदू नववर्ष पर निकाली रैली

नांगल चौधरी। सामाजिक संगठनों ने हिंदू नववर्ष के अवसर पर प्रभात फेरी निकालकर भारतीय संस्कृति के अनुसरण व सामाजिक कुरीतियां मिटाने के लिए प्रेरित किया। स्कूली विद्यार्थियों ने झांकियां प्रस्तुत करके नशाखोरी के दुष्परिणामों से अवगत कराया है। कार्यक्रम की अगुवाई महंत शीतलदास ने की, जिसमें शहबाजपुर आश्रम के महंत बरखानाथ, मधुवनदास, राजेश सवाइका मौजूद रहे। राज्यों की अलग अलग भाषा तथा रीतिरिवाज हैं, लेकिन सभी परंपराओं से एकजुटता का संदेश मिलता है। इसके बाद बाबा मुकुंददास आश्रम से प्रभात फेरी का शुभारंभ किया गया। गांधी बाजार, कोटपूतली, नारनौल, निजामपुर रोड पर फेरी लगाने के बाद शहर में वार्ड वाइज लोगों को स्वदेशी संस्कृति के अनुसरण का संदेश दिया। कार्यक्रम में बाल भारती पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने बुजुर्गों के सम्मान व नशाखोरी के दुष्प्रभावों पर आधारित झांकियां प्रस्तुत की। प्रभात फेरी में भवानी शंकर जोशी, देवेंद्र सिंह शास्त्री, डॉ. ललित मोहन जोशी, अंजनी शास्त्री आदि मौजूद रहे।

आरपीएस में मनाया हिंदू नववर्ष

महेंद्रगढ़। भारतीय सनातन संस्कृति और नवचेतना के प्रतीक हिंदू नव वर्ष 'विक्रम संवत 2083' एवं चैत्र नवरात्रि के अवसर पर आरपीएस विद्यालय में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय परिसर 'जयश्री राम' और 'नव संवत्सर' के उद्घोष से गुंजायमान रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों द्वारा मां सरस्वती की वंदना और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, जिसमें बच्चों ने अपनी सुरीली आवाज में प्रार्थना कर समस्त विश्व के कल्याण और मंगल की कामना की। आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि हिंदू नव वर्ष हमारी सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रबोध को सुदृढ़ करने का दिन है। हमें गर्व होना चाहिए कि हमारी काल गणना वैज्ञानिक आधार पर टिकी है। हम अपनी जड़ों से जुड़कर एक संस्कारवान पीढ़ी का निर्माण करें। सीईओ इंजी. मनीष राव ने कहा कि नव संवत केवल कैलेंडर का बदलना नहीं, बल्कि नई ऊर्जा और संकल्पों के साथ आगे बढ़ने का उत्सव है। विद्यार्थियों को अपनी परंपराओं का सम्मान करते हुए आधुनिक शिक्षा में भी कीर्तिमान स्थापित करने चाहिए। डिप्टी सीईओ कुनाल राव ने कहा कि चैत्र नवरात्रि और नव संवत्सर का यह संगम हमें अनुशासन और शक्ति की उपासना की सीख देता है।

राव नेतराम स्कूल में छात्रों को किया सम्मानित

नारनौल। साईं जयपुर की ओर से कबड्डी ट्रायल का आयोजन करवाया गया। जिसमें प्रदेशभर से खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इस ट्रायल में राव नेतराम पब्लिक स्कूल सलीमपुर के खिलाड़ियों ने अपना दमखम दिखाया तथा दो खिलाड़ी चयनित हुए। विद्यालय पहुंचने पर खिलाड़ियों को बधाई देते हुए प्राचार्य अनिता देवी ने बताया हर्ष पुत्र प्रमोद सलीमपुर व रुद्र पुत्र अरूण गुजरवास का चयन हुआ। चयन का श्रेष्य उन सभी को जाता है, जिन्होंने इस सफलता में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपनी भागीदारी दी है। उइस क्षेत्र के खिलाड़ियों को निखारने के लिए अच्छे परिणाम देते रहेंगे। इस मौके पर विक्रम डीपीई व स्टाफ उपस्थित रहा।

अर्जुन स्कूल नापला के 6 छात्र नवोदय परीक्षा में उत्तीर्ण

निजामपुर। अर्जुन पब्लिक स्कूल नापला के छह विद्यार्थियों ने जवाहर नवोदय की प्रवेश परीक्षा में सफलता हासिल करके संस्था का गौरव बढ़ाया है। चेयरमैन सत्यपाल मालोठिया ने मेधावी बच्चों को प्रशंसा पत्र देकर प्रोत्साहित किया। सम्मान समारोह में अभिभावक व पंचायत प्रतिनिधि मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने मेधावी बच्चों की सुविधा के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय संचालित किए हैं। जिनमें छठी कक्षा में दाखिला लेने की अनुमति है, इसके लिए ब्लॉक वाइज प्रवेश परीक्षा का आयोजन होता है। नांगल चौधरी ब्लॉक में बीते महीने परीक्षा संपन्न हुई थी, जिसमें अर्जुन पब्लिक स्कूल के 10 बच्चों ने पंजीकरण कराया था। स्कूल के छह विद्यार्थियों ने मेरिट सूची में स्थान बनाकर ब्लॉक का नाम रोशन किया है। इसके बाद उत्तीर्ण रहे विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया।

नेशनल मॉडल स्कूल में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

महेंद्रगढ़। नेशनल मॉडल स्कूल में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया इस सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि उप जिला शिक्षा अधिकारी दिलबाग सिंह, विशिष्ट अतिथि प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन प्रदेश उपाध्यक्ष पवन सिंह तंवर व अध्यक्ष विद्यालय प्राचार्य ओमप्रकाश यादव ने की। उप जिला शिक्षा अधिकारी दिलबाग सिंह ने कहा कि सफलता का एक ही मूल मंत्र है परिश्रम। परिश्रम के बल पर ही विद्यार्थी अपना भविष्य उज्ज्वल बना सकता है। विशिष्ट अतिथि पवन सिंह तंवर ने कहा कि भारत प्राचीन काल से विश्व गुरु रहा है। प्राचार्य ओमप्रकाश यादव ने विद्यार्थियों का आह्वान भी किया कि वे इसी प्रकार से परिश्रम करते हुए अपने विद्यालय व अपने माता-पिता का नाम रोशन करें। पिछले वर्ष भर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। जिसमें कृष यादव, पलक, पायल, नीतू, दुष्यंत, पूर्व शर्मा, गौरव, श्रेष्ठ, यशू, मुकेश, मयंक, दीक्षांत, मोहित, पराग, दक्ष, जन्नत, खुशवीर, खुशहाल, अंश, आकाश, दीपक, हिमांशु, आयुष, दीया, रागिनी, अलका, सीता आदि प्रतिभाओं का सम्मान किया गया।

कांवी स्कूल की ओर से निकाली गई प्रवेश जागरूकता रैली

नारनौल। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कांवी के विद्यार्थियों व स्टाफ की ओर से गांव में प्रवेश जागरूकता हेतु रैली निकाली गई। प्रातः कालीन सभा के बाद विद्यालय प्राचार्य सुरेश कुमार व सरपंच प्रतिनिधि समाजसेवी नित्यानंद यादव ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विद्यालय की ओर से प्राध्यापक डॉ. जितेंद्र भारद्वाज ने बताया कि जागरूकता रैली में विद्यार्थियों ने तिरंगे झंडे, बैनर व तख्तियां लेकर गांव में ग्रामीणों को सरकारी विद्यालय में अपने बच्चों को प्रवेश दिलाने हेतु प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने गांव के रास्ते व गलियों से गुजरते हुए विभिन्न प्रेरणादायक नारे लगाकर रैली को सफल बनाया। विद्यालय प्राचार्य सुरेश कुमार ने बताया कि राजकीय विद्यालय की मिडिल कक्षाओं तक, शिक्षा के अधिकार के अंतर्गत शिक्षा मुफ्त दी जाती है। जिसमें पुस्तके भी विद्यार्थियों को निःशुल्क मिलती हैं। इस मौके पर समाजसेवी नित्यानंद यादव, नंबरदार कबूल सिंह, वरिष्ठ प्रवक्ता विष्णु कुमार, मुंशीराम, अशोक कुमार, सुशीला यादव, डॉ. जितेंद्र कुमार, रामनिवास शास्त्री, अखिलेश तंवर, कुलदीप आदि मौजूद थे।

बीआर विद्यालय में सिल्वर जोन ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन

महेंद्रगढ़। गांव सुरजनवास स्थित बीआर ज्ञानदीप विद्यालय में आयोजित सिल्वर जोन ओलंपियाड परीक्षा में विद्यालय के विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर हिंदी एवं रीजनिंग विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के 30 से अधिक छात्र-छात्राओं ने क्वालिफाई कर विद्यालय का नाम रोशन किया। यह ओलंपियाड परीक्षा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जाती है, जिसमें विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता, तार्किक सोच, भाषा ज्ञान तथा समस्या समाधान कौशल का मूल्यांकन किया जाता है। परीक्षा का आयोजन विद्यालय परिसर में सुनियोजित ढंग से किया गया। परीक्षा से पूर्व विद्यार्थियों को विशेष मार्गदर्शन एवं अभ्यास सत्र भी आयोजित किए गए, जिससे उनके आत्मविश्वास में वृद्धि हुई। सिल्वर जोन फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में सफल विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धि के अनुसार गोल्ड, सिल्वर एवं ब्रॉन्ज मेडल, प्रमाण पत्र तथा अन्य आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। विद्यालय के कई विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर मेडल हासिल किए, जो उनके परिश्रम और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है।

आर्य समाज स्थापना दिवस पर किया हवन

नारनौल। विक्रम संवत 2083 के पावन अवसर व आर्य समाज स्थापना सप्ताह के शुभारंभ पर एमएलएस डीएवी विद्यालय में सामूहिक हवन का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों व शिक्षकों के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, शांति व समृद्धि का संचार करना था। हवन कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षकों व विद्यार्थियों ने भाग लिया। वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन कार्य सम्पन्न हुआ। जिससे पूरे वातावरण में आध्यात्मिकता व पवित्रता का संचार हुआ। वरिष्ठ शिक्षकों ने स्कूल में सभी विद्यार्थियों को नवसंवत्सर की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नया संवत सभी के लिए सफलता और उन्नति लेकर आए। हवन के बाद अध्यापकों व विद्यार्थियों ने स्वामी दयानंद चौक तक जागरूकता रैली निकाली। जिसमें स्वामी की ओर से बताए गए सिद्धांतों पर चलने के लिए लोगों को प्रेरित किया। उन्होंने सभी को उत्साह, ऊर्जा व सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

आरपीएस डिग्री कॉलेज में व्याख्यान आयोजित

महेंद्रगढ़। आरपीएस डिग्री कॉलेज के जंतु विज्ञान विभाग और इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को एक विशेष विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का मुख्य विषय मनुष्यों और जानवरों में इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन प्रगति और सामाजिक निहितार्थ रहा। आरपीएससीईटी के सेमिनार हॉल में दोपहर 2:30 बजे आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. प्रेम सिंह यादव ने शिरकत की। डॉ. यादव पीएचडी, पोस्टडॉक-जर्मनी वर्तमान में पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय बलाना में पशु चिकित्सा शरीर विज्ञान के प्रोफेसर और अनुसंधान एवं विकास के प्रमुख हैं। उन्होंने अपने विशिष्ट व्याख्यान में छात्र-छात्राओं और उपस्थित लोगों को आईवीएफ तकनीक में हो रहे नवीनतम विकास, इसके वैज्ञानिक पहलुओं और समाज पर पड़ने वाले इसके प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव और सीईओ मनीष राव ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम न केवल समाज सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हैं।

हिंदुस्तान पब्लिक स्कूल में दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

मंडी अटेली। हिंदुस्तान पब्लिक स्कूल सलीमपुर में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का उत्साहपूर्ण समापन हो गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ मार्केट कमेटी के चेयरमैन दिनेश जेलदार एवं हरियाणा स्टाफ सेलेक्शन कमीशन के पूर्व सदस्य देवेंद्र की उपस्थिति में हुआ। वहीं समापन समारोह में जिला प्रमुख डॉ. राकेश कुमार विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ की गई। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने कबड्डी, रिले रेस, लॉन्ग जंप, शॉट पुट और वॉलीबॉल सहित विभिन्न खेलों में पूरे उत्साह, अनुशासन और खेल भावना के साथ भाग लिया। अंडर 14 कबड्डी प्रतियोगिता में लड़कों की श्रेणी में बिहाली बुल्स ने प्रथम स्थान तथा सलीमपुर टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों में खुशी, वंशिका, लक्षिका, इशू, हरीश और विनय को बेस्ट खिलाड़ी चुना गया।

श्रीकृष्णा स्कूल में नए सत्र पर यज्ञ के साथ गूंजे वैदिक मंत्र

महेंद्रगढ़। श्रीकृष्णा स्कूल में वीरवार को नए शैक्षणिक सत्र का विधिवत एवं भव्य शुभारंभ किया गया। इस दौरान विद्यालय परिसर में हवन यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें स्कूल के समस्त स्टाफ और विद्यार्थियों ने पूर्ण श्रद्धा भाव के साथ आहुतियां डालकर ईश्वर से मंगलमय भविष्य की कामना की। पीआरओ सुधीर यादव ने बताया कि यज्ञ का शुभारंभ मुख्य अतिथि चेयरमैन डॉ. बीरसिंह यादव तथा विशिष्ट अतिथि सीईओ कर्मवीर राव द्वारा मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया गया। डॉ. कविता राव और प्राचार्य रवि प्रकाश ने विद्या की देवी मां शारदे का आह्वान किया। पूरा वातावरण वैदिक मंत्रोच्चार की गूंज से भक्तिमय हो गया।

सिंघानिया विवि की बेटियों का राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन

नारनौल। पचेरी बड़ी स्थित सिंघानिया विश्वविद्यालय की छात्राओं ने एकबार फिर राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। विश्वविद्यालय की एमए प्रथम वर्ष की छात्रा मोनिका ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी महिला बॉक्सिंग चैंपियनशिप (लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी जालंधर) में 70 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीतकर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। वहीं बीए प्रथम वर्ष की छात्रा अंजलि ने एआईयू रेसलिंग चैंपियनशिप (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र) में 55 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन कर खेलो इंडिया के लिए क्वालिफाई किया।

एड्स को जागरूकता से रोका जा सकता है: डॉ. चंद्र मोहन

■ राजकीय महाविद्यालय में चलाया गया एड्स जागरूकता अभियान

नारनौल। एड्स के बारे में जागरूक करते विद्यार्थी व कॉलेज स्टाफ। फोटो: हरिभूमि

नारनौल। राजकीय महाविद्यालय में रेड रिबन एवं यूथ रेड क्रॉस के सानिध्य में निदेशक राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के दिशानिर्देशों में प्राचार्य राजवीर सिंह के नेतृत्व में एड्स जागरूकता अभियान चलाया गया। यूथ रेडक्रॉस व रेड रिबन क्लब के नोडल अधिकारी काउंसलर प्रोफेसर डॉ. चंद्रमोहन ने बताया ने एड्स को केवल इलाज से ही नहीं, बल्कि सही जानकारी, शिक्षा और जागरूकता के माध्यम से बढ़ने से रोका जा सकता है। आमतौर आमजन अभी भी यह नहीं जानते कि एचआईवी कैसे फैलता है और कैसे नहीं फैलता, क्योंकि एचआईवी हाथ मिलाने, गले मिलने, साथ खाना खाने, या मच्छर के काटने से नहीं फैलता। इसके अलावा जानकारी के अभाव में लोग एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों के साथ भेदभाव करते हैं, जिससे वे समाज से कट जाते हैं और सही इलाज नहीं ले पाते। इसलिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगातार एड्स जागरूकता अभियान चलाएं जा रहे हैं।

इसी कड़ी में महाविद्यालय के जीवविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. सत्य पाल सुलोदिय ने विद्यार्थियों को एचआईवी एड्स विषय पर विस्तार व्याख्यान दिया। उन्होंने युवाओं को एचआईवी एड्स विषय के सभी पहलुओं पर विचार व्यक्त किया। प्राणी शास्त्र विभाग से डॉ. ज्योति जिंदल व डॉ. प्रियंका शर्मा ने महाविद्यालय के सभी स्टाफ सदस्यों को एड्स जागरूक करने के लिए रेड रिबन लगायाया। भू विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. जयपाल सिंह ने एड्स जागरूकता अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय के युवाओं को एड्स जागरूकता पर डोकोमेन्ट्री फिल्म दिखाई।

इसी कड़ी में युवाओं को एड्स जागरूकता शपथ दिलवाई गई और एड्स जागरूकता रैली निकाली गई। महाविद्यालय में रेड रिबन क्लब की ओर से एड्स जागरूकता प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस मौके पर डॉ. विजयदीप गौड़, डॉ. भारती, डॉ. सोनम गर्ग, डॉ. शिवम् जांगिड़, उप प्राचार्य डॉ. हवासिंह आदि मौजूद थे।

सार्वजनिक सूचना

मैं सुरेंद्र सिंह जाट पुत्र श्री कालूराम निवासी दौसोद तहसील नीमराणा जिला कोटपूतली बहरोड बयान करता हूं कि मेरी पुत्री नीतू मेरे कहे अनुसार नहीं चलती और अपनी मनमानी करती है। इससे परेशान होकर मैं पुत्री नीतू को अपनी तमाम चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में इसके साथ कोई किसी प्रकार का लेनदेन करता है तो मेरे वह मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

कार्यालय प्राचार्य रा.व.मा.वि. खातोदड़ा (3967) महेन्द्रगढ़

बोली/नीलामी की सूचना

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, खातोदड़ा (3967) महेन्द्रगढ़ के 4 जर्जर कमरों, बरामदे सहित को तोड़ने व टूटे हुए सामान की खुली बोली / नीलामी वार शुक्रवार दिनांक 03.04.2026 समय प्रातः 10 बजे विद्यालय प्रांगण में लगाई जाएगी। बोली / नीलामी के नियम व शर्तें मौके पर बताई जाएंगी। विद्यालय प्रबंधक समिति का निर्णय अंतिम होगा।

हस्ता/- प्राचार्य, रा.व.मा.वि. खातोदड़ा (3967) महेन्द्रगढ़

THE NARNAUL PRIMARY AGRI. CO. SOCIETY NARNAUL - 123001 (HARYANA)

सभी कमेटी मैम्बरों व सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि दी नारनौल बहुउद्देश्य प्राथमिक कृषि सहकारी समिति नारनौल की आम सभा की बैठक दिनांक 25.03.2026 को दिन बुधवार समय प्रातः 11 बजे समिति के कार्यालय प्रांगण में होनी निश्चित हुई है। अतः आप से अनुरोध है कि आप सभी निशिचत तिथि समय व स्थान पर पहंचे।

प्रबंधक
दी नारनौल प्राथमिक कृषि सहकारी समिति नारनौल

स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं संभालेंगी रसोई, सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक मिलेगी थाली

रबी खरीद में किसानों को बड़ी राहत: महज '10 रुपये' में मिलेगा 'भरपेट भोजन' नारनौल व नांगल चौधरी मंडियों में 21-21 लाख से बनी अटल कैंटीन तैयार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

रबी खरीद सीजन के दौरान किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मार्केट कमेटी ने एक सराहनीय और जनहितकारी पहल की है। अब नारनौल और नांगल चौधरी की अनाज मंडियों में फसल बेचने आने वाले किसानों को मात्र 10 रुपये में भरपेट दोपहर का भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए दोनों मंडियों में 'अटल कैंटीन' पूरी तरह से तैयार कर ली गई हैं और इनके शुभारंभ का इंतजार किया जा रहा है।

मार्केट कमेटी द्वारा इन कैंटीनों के निर्माण पर 21-21 लाख रुपये की लागत आई है। आधुनिक सुविधाओं से लैस इन कैंटीनों में किसानों को स्वच्छ, पौष्टिक और संतुलित भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। इस पहल से खासकर उन किसानों को राहत मिलेगी, जिन्हें मंडी में लंबे समय तक अपनी फसल के तौल और बिक्री के लिए इंतजार करना पड़ता है और फिर घर से खाना आने तक भूखे रहना पड़ता है। भूखे रहने की स्थिति में कई बार किसानों का बाजार में भी भटकना पड़ता है और इधर-उधर से रेहड़ियों पर कचौड़ी या समोसे इत्यादि खाकर महज भूख को शांत करना पड़ता है। नारनौल एवं नांगल चौधरी, दोनों की ही अनाज मंडियां बाजार से बाहर बनी हैं और भूख लगने पर अब तक किसानों ही नहीं, मंडी के मजदूरों एवं अन्य लोगों को परेशान होना पड़ता है।

नारनौल। जल महल के समीप बनी मंडी में तैयार की गई अटल कैंटीन।

किसानों को नहीं खाने पड़ेंगे अब धक्के

अक्सर किसान मंडियों में सुबह से लेकर शाम तक व्यस्त रहते हैं। ऐसे में उन्हें भोजन के लिए दूर-दराज बाजारों में जाना पड़ता था, जिससे समय और श्रम दोनों की हानि होती थी। कई बार तो उन्हें बिना भोजन के ही काम चलाना पड़ता था, लेकिन अब अटल कैंटीन शुरू होने के बाद यह समस्या काफी हद तक समाप्त हो जाएगी। किसान मंडी परिसर में ही 10 रुपये में भरपेट भोजन कर सकेंगे, जिससे उनका समय भी बचेगा और सुविधा भी बढ़ेगी। कैंटीन में सुबह 11 बजे से दोपहर बाद 3 बजे तक भोजन की व्यवस्था रहेगी। इस दौरान किसानों और मजदूरों को एक समय की थाली उपलब्ध कराई जाएगी, जिसमें दाल, सब्जी, रोटी और चावल जैसे पोषक खाद्य पदार्थ शामिल होंगे। कम कीमत में गुणवत्तापूर्ण भोजन मिलने से किसानों के चेहरे पर संतोष और राहत देखने को मिलेगी।

क्या कहते हैं अधिकारी

रबी खरीद सीजन से नारनौल व नांगल चौधरी की अनाज मंडी में अटल कैंटीन की शुरूआत की जा रही है। मंडी में फसलों की खरीद के दौरान किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए यह योजना शुरू की गई है। अटल कैंटीन का मुख्य उद्देश्य किसानों को सस्ती दर पर गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराना है। मंडियों में आने वाले किसानों और मजदूरों को अब भोजन के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। जल्द ही इन कैंटीनों का शुभारंभ कर दिया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें।

-नुकुल यादव, सचिव, मार्केट कमेटी, नारनौल

महिलाओं को मिलेगा रोजगार का अवसर

इस योजना की एक और खास बात यह है कि भोजन तैयार करने की जिम्मेदारी स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को दी गई है। एडीसी कार्यालय के माध्यम से इन महिलाओं को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिससे उन्हें रोजगार के अवसर भी मिलेंगे और वे आत्मनिर्भर बन सकेंगी। यह पहल महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

खबर संक्षेप

दुर्घटना में घायल किसान को 1.87 लाख की मदद

मंडी अटेली। खेती के दौरान हादसे का शिकार हुए एक किसान को सरकार की योजना के तहत आर्थिक राहत प्रदान की गई। मोहम्मदपुर निवासी सुरेश कुमार को मुख्यमंत्री किसान एवं खेती जीवन सुरक्षा योजना 2013 के अंतर्गत एक लाख 87 हजार 500 रुपये की सहायता राशि दी गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुरेश कुमार अपने खेत में ट्रैक्टर से कार्य कर रहे थे तभी अचानक ट्रैक्टर पलट गया और वे गंभीर रूप से घायल हो गए।

दिव्यांगजनों का समान हम सभी की जिम्मेदारी

नारनौल। हुडा सेक्टर एक स्थित संतोष मेमोरियल पुनर्वास एवं अनुसंधान केंद्र में आज एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार एवं उनकी धर्मपत्नी प्रो. मनीषा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। अतिथियों के आगमन पर संस्था के चेयरमैन मुकेश गुप्ता तथा प्राचार्य डॉ. आरएन यादव ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त द्वारा संस्था की नई छात्र वैन का नारियल फोड़कर विधिवत उद्घाटन करने के साथ हुआ।

शिविर में 23 शिकायतें आई मौके पर किया समाधान

नारनौल। हरियाणा सरकार की जनकल्याणकारी पहल के तहत लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में एसडीएम अनिरुद्ध यादव ने आमजन की शिकायतें सुनी। समाधान शिविर में कुल 23 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया। एसडीएम अनिरुद्ध यादव ने कहा कि समाधान शिविर का मुख्य उद्देश्य आमजन को उनकी समस्याओं का समाधान एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है, जिससे उन्हें विभिन्न कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

माता भूरा भवानी मंदिर में मां शैलपुत्री की पूजा की

महेंद्रगढ़। माता भूरा भवानी मंदिर सिसोठ धाम में नवरात्रि के प्रथम दिन आराध्या देवी माता शैलपुत्री स्वरूप की उपासना की गई। माता का यह रूप सती, पार्वती, दुर्गा, उमा, अपूर्णा, गोरी, शिवांगी, सुभांगी, पर्वतवासिनी आदि अनेक नामों से प्रसिद्ध है। नवरात्र के शुभारंभ पर महंत शक्तिनाथ महाराज के सानिध्य में मंदिर परिसर में हवन किया गया।

गणियार में आयुर्वेद कैंप आयोजित

नारनौल। राजकीय आयुर्वेद औषधालय गनियार की ओर से राधा-कृष्ण मंदिर चंदपुरा में निःशुल्क कैंप का आयोजन किया गया। कैंप का शुभारंभ गांव की सरपंच सरला देवी, डॉ मंजू कुमारी एमडी व आयुष योग सहायक अमित रोहिल्ला ने भगवान धन्वंतरि के समक्ष दीप जलाकर किया। कैंप में डॉ मंजू कुमारी द्वारा मरीजों की जांच की गई व निःशुल्क आयुर्वेदिक औषधि वितरित की गई। उन द्वारा लोगों को इस मौसम में होने वाली बीमारियों के बचाव के बारे में जानकारी दी गई। आयुष योग सहायक अमित कुमार ने योग और प्राणायाम के लाभ बताए। उन्होंने लोगों को योग से कैसे अपने स्वास्थ्य को अच्छा बनाएं, बताते हुए विभिन्न योगों का अभ्यास करवाया।

ग्रामीणों का आरोप मार्ग पर लगातार हादसों के बावजूद प्रशासन लापरवाह

घाटासेर के पास हादसे के बाद ग्रामीणों ने लगाया जाम, बाछौद में भी हादसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

बुधवार रात करीब नौ बजे लॉजिस्टिक हब की ओर जा रही बोलेरो ने स्कूटी सवार व्यक्ति को टक्कर मार दी। नेशनल हाइवे नंबर 11 पर बाछोद के समीप अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत हो गई।

नारनौल। हादसे के बाद जाम लगाते ग्रामीण व सड़क पर खड़ी क्षतिग्रस्त बाइक एवं भीड़। *फोटो: हरिभूमि*

गांव घाटाशेर के पास नेशनल हाईवे 148-बी पर बुधवार रात सड़क हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने जाम लगा दिया तथा पुलिस के खिलाफ जमकर नारे लगाए। ग्रामीणों का आरोप है कि इस मार्ग पर लगातार हो रहे हादसों के बावजूद पुलिस व प्रशासन लापरवाह बना हुआ है। बुधवार रात करीब नौ बजे लॉजिस्टिक हब की ओर जा रही बोलेरो ने स्कूटी सवार व्यक्ति को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कूटी सवार हरिराम नामक व्यक्ति सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत घायल को उठाकर नागरिक अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी नाजुक हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। वहां पर उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। हादसे के बाद गुस्साए ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए और नेशनल हाईवे 148-बी पर जाम लगा दिया। इस दौरान ग्रामीणों ने पुलिस मुर्दाबाद के नारे लगाए तथा प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया। ग्रामीणों का कहना था कि आए दिन इस सड़क पर दुर्घटनाएं हो रही हैं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही। सूचना मिलने पर निजामपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन ग्रामीणों ने पुलिस के रवैये को ढुलमुल बताया। आरोप है कि थाना प्रभारी ने कवरेज करने पहुंचे पत्रकारों से बदतमीजी की और वीडियो बनाने से रोका, जिससे माहौल और तनावपूर्ण हो गया।

- लोग बोले, आए दिन इस सड़क पर दुर्घटनाएं हो रही हैं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही

थाना प्रभारी ने खुलवाया जाम

सूचना मिले के बाद में सदर थाना प्रभारी धर्मवीर सिंह मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाकर जाम खुलवाया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

एनएच 11 पर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक चालक की मौत

मंडी अटेली। नेशनल हाइवे नंबर 11 पर बाछोद के समीप अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान करीब 45 वर्षीय अत्तर सिंह पुत्र अमरसिंह वासी दिल्ली वाली ढाणी तन कोजिंदा (नारनौल) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि गुरुवार शाम को करीब पांच बजे अत्तर सिंह बाइक द्वारा अटेली से नारनौल की तरफ जा रहा था। जब वह बाछोद के समीप था, तब किसी अज्ञात वाहन से बाइक की टक्कर हो गई। अज्ञात वाहन चालक टक्कर उपरांत अत्तर सिंह को मौके पर ही दुर्घटनाग्रस्त छोड़ फरार हो गया। एक्सीडेंट देख वहां पर काफी लोग एकत्रित हो गए तथा इसकी सूचना पुलिस एवं एंबुलेंस को दी। सदर पुलिस की ओर से थाना प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

बिजली गिरने से 30 बकरियों की मौत के बाद मांगी आर्थिक सहायता

महेंद्रगढ़। आसमानी बिजली गिरने से मरी बकरियां। *फोटो: हरिभूमि*

- घटना में दोनों पशुपालकों को करीब तीन लाख रुपये से अधिक का नुकसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

गांव खेड़की में बुधवार शाम करीब पांच बजे तेज हवा, बारिश और गर्जना के बीच गिरी बिजली से खेतों में 30 बकरियों की मौत हो गई। वहीं एक चरवाहा गौरव भी झुलस गया। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। गांव निवासी दयाराम और गौरव सुबह बकरियों को चराने के लिए खेतों में गए थे। शाम के समय मौसम ने अचानक करवट ली और तेज आंधी के साथ बिजली कड़कने लगी। इसी दौरान गिरी बिजली की चपेट में आने से सभी बकरियों की मौत हो गई। हादसे में गौरव भी झुलस गया। इसे तुरंत उपचार के लिए नांगल सिरोही ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार कर रेफर कर दिया गया। स्थानीय निवासी सुनील कुमार ने बताया कि दयाराम ने हाल ही में करीब 60 हजार रुपये में दो बकरे खरीदे थे जो इस हादसे में मारे गए। कुल मिलाकर इस घटना में दोनों पशुपालकों को करीब तीन लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

पशुपालक को आर्थिक सहायता देने की मांग

नारनौल। आल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के जिला सचिव डॉ. व्रतपाल सिंह व छाजूराम रावत ने खेड़की गांव के खेतों में बिजली गिरने से 30 बकरियों की मौत व बिजली गिरने से गांव के पशुपालक गौरव के झुलसे जाने पर गहरा दुःख जताते हुए पशुपालक गौरव के निःशुल्क इलाज व पशुपालक की बकरियों के लिए आर्थिक सहायता दिए जाने की सरकार व प्रशासन से मांग की है। उन्होंने कहा कि खेड़की गांव का पशुपालक गौरव व दयाराम भेड़ बकरी पालन कर गुजारा कर रहे हैं। गौरव की बकरियां, जो उसके आजीविका का सहारा थी, बिजली गिरने से छिन गई, इसलिए गरीब पशुपालक गौरव की मदद के लिए सरकार व प्रशासन से दरकार है।

इंटरनेशनल इंग्लिश ओलंपियाड में हैप्पी स्कूल का शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। खुशी जाहिर करते विद्यार्थी। *फोटो: हरिभूमि*

हैप्पी एवरग्रीन सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने इंटरनेशनल इंग्लिश ओलंपियाड द्वितीय स्तर में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। कक्षा 11वीं के छात्र अभिषेक सोनी ने जोनल स्तर पर प्रथम स्थान तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आठवीं रैंक प्राप्त कर गोल्ड मेडल एवं 2500 नकद पुरस्कार हासिल किया। छात्र यश ने भी जोनल स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल एवं 2500 नकद पुरस्कार अर्जित किया। इसके अतिरिक्त एक अन्य छात्र यश ने चौथी रैंक प्राप्त कर 500 का गिफ्ट वाउचर हासिल किया, जबकि छात्रा वृंदा ने आठवीं रैंक प्राप्त कर 500 का गिफ्ट वाउचर अर्जित किया। कक्षा 12वीं की छात्रा ईशिका यादव ने जोनल स्तर पर द्वितीय स्थान व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 30वीं रैंक प्राप्त कर गोल्ड मेडल एवं पांच हजार नकद पुरस्कार प्राप्त किया। वहीं विभा शर्मा ने जोनल स्तर पर तृतीय स्थान व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 35वीं रैंक प्राप्त कर गोल्ड मेडल एवं 2500 नकद पुरस्कार हासिल किया।

नवरात्रों में मीट की दुकानें बंद रखने के निर्देश

सतनाली मंडी। सतनाली थाना प्रभारी अनिल कुमार ने क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने और धार्मिक भावनाओं का सम्मान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नवरात्र पर्व को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। थाना प्रभारी ने नवरात्र के पावन दिनों के दौरान सभी मीट विक्रेताओं को अपनी दुकानें बंद रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि नवरात्र हिंदू धर्म का एक प्रमुख पर्व है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु व्रत रखते हैं और धार्मिक आयोजनों में भाग लेते हैं। ऐसे में क्षेत्र में शांति, सौहार्द व आपसी भाईचारे को बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि इस दौरान किसी भी प्रकार की असंवेदनशील गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

महेंद्रगढ़ कॉलेज में एमएससी गणित और भौतिकी शुरू करने की मांग

- विष्णु सेवा समिति ने सौंपा ज्ञापन, एमएससी पाठ्यक्रम शुरू करने की उठाई मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। प्राचार्य को ज्ञापन सौंपते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

विष्णु सेवा समिति के प्रधान मनोहर लाल झूकिया, कोषाध्यक्ष रामानंद शर्मा तथा समिति के अन्य प्रतिनिधियों ने राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर विजय यादव को मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री, अतिरिक्त मुख्य सचिव उच्चत्तर शिक्षा विभाग तथा महानिदेशक उच्चतर शिक्षा विभाग पंचकूला के नाम ज्ञापन सौंपा। समिति के प्रतिनिधियों ने अपने ज्ञापन में मांग की है कि राजकीय महाविद्यालय में सत्र 2026-27 से एमएससी गणित एवं एमएससी भौतिकी जैसे महत्वपूर्ण स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जाएं। उन्होंने बताया कि यह महाविद्यालय क्षेत्र का एक प्राचीन एवं प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान है, जहां से शिक्षा प्राप्त कर अनेक विद्यार्थी विभिन्न उच्च पदों पर आसीन होकर क्षेत्र एवं राज्य का नाम रोशन कर चुके हैं।

ग्राम पंचायतें आवश्यक नियम बनाकर करें कार्य, तो पानी भी बचेगा व गांव का सौंदर्य भी बढ़ेगा

जिप सभागार में ग्राम जल एवं सीवरेज समिति के सदस्यों का प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। ग्राम पंचायतों को पेयजल प्रबंधन बारे जानकारी देते जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा। *फोटो: हरिभूमि*

जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार के कार्यक्रम के अंतर्गत जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं जल व स्वच्छता सहायक संगठन की ओर से जल महोत्सव पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी क्रम में वीरवार को जिला परिषद सभागार में ग्राम जल एवं सीवरेज समिति के सदस्यों के साथ जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा की अध्यक्षता में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में लहरोदा, हमीदपुर, थाना, बापड़ौली, भांखरी, मकसूसपुर, मडलाना, निवाजनगर, भूषण कलां व बड़कोदा ग्राम पंचायतों के ग्राम जल व सीवरेज समिति सदस्यों को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा ने कहा कि जल महोत्सव केवल गांव का ही नहीं, बल्कि पूरे देश का उत्सव है। उन्होंने ग्राम पंचायतों से आह्वान किया कि वे अपने स्तर पर भी इस महोत्सव को मनाते हुए नागरिकों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतें अपने नजदीकी बैंक में समिति का खाता खुलवाएं, ताकि पेयजल से संबंधित सभी वित्तीय लेन.देन समिति के माध्यम से हो सके। एबी फेलो मणिप्रकाश ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल कनेक्शन दिया गया है, लेकिन यह सुनिश्चित करना पंचायतों व समिति सदस्यों की जिम्मेदारी है कि प्रत्येक घर तक निरंतर स्वच्छ पेयजल पहुंचे। बीआरसी अशोक कुमार ने ग्राम पंचायतों एवं ग्राम जल एवं सीवरेज समिति के उद्देश्यों, कार्यों व उनकी शक्तियों के बारे में जानकारी दी। बीआरसी इंद्रजीत ने जल जीवन मिशन की विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

ग्राम जल एवं सीवरेज समिति में होते हैं 16 सदस्य

जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा ने बताया कि ग्राम जल एवं सीवरेज समिति में कुल 16 सदस्य होते हैं। ग्राम पंचायत का सरपंच इसका अध्यक्ष व ग्राम सचिव संयोजक होता है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग का जूनियर इंजीनियर तकनीकी सदस्य व विकास एवं पंचायत विभाग का जेई भी समिति का सदस्य होता है। इसके अतिरिक्त सभी सदस्य ग्राम पंचायत के ही नागरिक होते हैं, जिन्हें पेयजल प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपी जाती है। समिति में 50 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। इसके अलावा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, एएनएम, महिला व पुरुष पंच, अनुसूचित जाति प्रतिनिधि, ग्राम चौकीदार, सेवानिवृत्त शिक्षक व अन्य अनुभवी व्यक्ति तथा युवा मंडल के सदस्य भी समिति में शामिल किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि यदि ग्राम जल एवं सीवरेज समिति नियमित रूप से बैठक कर सक्रिय रूप से कार्य करे और आवश्यक नियम बनाकर पेयजल प्रबंधन करें, तो न केवल पानी की बचत होगी, बल्कि गांव के सौंदर्य में भी उल्लेखनीय सुधार होगा।

मंढाणा में भ्रूण हत्या के खिलाफ दिलाई शपथ

नारनौल। गांव मंढाणा में सरपंच मुकेश कुमार की अध्यक्षता में भ्रूण हत्या के खिलाफ जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें गांव के पंच, नंबरदार, गर्भवती महिलाएं, योग्य दंपति व अन्य ग्रामीणों ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मढाणा के चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनिल कुमार, एमपीएचडब्ल्यू सुरेंद्र सिंह, एएनएम मोनिका, सूचना सहायक सुरेंद्र कुमार सहित आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भी मौजूद रही। बैठक के दौरान गांव में गिरते लिंगानुपात को लेकर चिंता जताई गई और लोगों को इसके दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया। वक्ताओं ने बताया कि आज के समय में लड़कियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है और समाज में उनका योगदान बराबर का है।